Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In November 2018

स्टूडेंट्स को प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी

जीजेयू में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से इंडस्ट्री इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजूय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से विवि में इंडस्ट्री इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर सीगवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से प्रोडक्शन सेफ्टी एंड रेगुलेशन्स के अध्यक्ष जतिन टक्कर व एप्लीकेशन एंड टेक्नोलॉजी अधिकारी वैशाली श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी देना था। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों में उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा कि उद्योगों में परिवर्तन की गति बहुत तेज है। ऐसे में इंडस्ट्री इंटरेक्शन जैसे कार्यक्रम शैक्षणिक पाठ्यक्रम तथा व्यावसायिक कौशल के बीच की दूरी को समाप्त करने में सहायक होते हैं। विवि के प्रिंटिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरोहित गोयत ने विद्यार्थियों को इस बातचीत सत्र का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रथमं सत्र में कंपनी का परिचय देते हुए जतिन टक्कर ने विद्यार्थियों को बताया कि एक बिलियन यूरो से अधिक की शुद्ध बिक्री के साथ, कंपनी 35 देशों में 5000 से अधिक कर्मचारियों के साथ सुरक्षित और टिकाऊ इंकिंग सोलूशन्स के क्षेत्र में कार्यरत है। दूसरे सत्र में वैशाली ने सीगवर्क कम्पनी की परिचालन गतिविधियों की जानकारी दी।

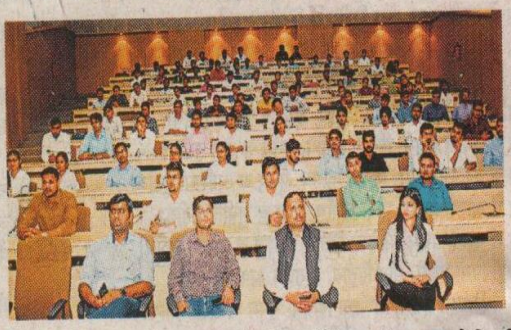

जीजेयू हिसार में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल व कम्पनी के अधिकारियों के साथ प्रतिभागी।

दैनिक भास्कर - 01-11-2019

गुजविवि में हरियाणा दिवस पर कार्यक्रम आज

हिसार, 31 अक्तूबर (सवेरा): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर एक नवम्बर को कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डा. के.एल. जोहर होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। हरियाणा राज्य उच्चत्तर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बी.के. कुठियाला कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि महान शिक्षाविद डा. के.एल. जोहर ने प्रथम कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी उपस्थित इस कार्यक्रम को और अधिक गरिमामयी बना देगी।

गुजविवि में इंडस्ट्री इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन

हिसार, 1 नवम्बर (निस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर सीगवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से प्रोडक्शन सेफ्टी एंड रेगुलेशन्स के अध्यक्ष जतिन टक्कर व एप्लीकेशन एंड टेक्नोलॉजी अधिकारी वैशाली श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की विस्तृत जानकारी देना था। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों में उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने कहा कि उद्योगों में परिवर्तन की गति बहुत तेज है। ऐसे में इंडस्ट्री इंटरेक्शन जैसे कार्यक्रम शैक्षणिक पाठ्यक्रम तथा व्यवसायिक कौशल के बीच की दूरी को समाप्त करने में सहायक होते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग के अध्यक्ष डा. अरोहित गोयत ने विद्यार्थियों को इस बातचीत सत्र का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रथम सत्र में कंपनी का परिचय देते हुए जतिन टक्कर ने विद्यार्थियों को बताया कि एक बिलियन यूरो से अधिक की शुद्ध बिक्री के साथ, कंपनी 35 देशों में 5000 से अधिक कर्मचारियों के साथ सुरक्षित और टिकाऊ इंकिंग सोलूशन्स के क्षेत्र में कार्यरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को इंक कंपनी में रोजगार की संभावनाओं बारे जानकारी दी।

दूसरे सत्र में वैशाली ने सीगवर्क कम्पनी की परिचालन गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने एक विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग में पैकेजिंग इंक इंडस्ट्री की भूमिका, प्रिंटिंग इंक के प्रकार, प्रिंटिंग प्रक्रिया, कलर मैनेजमैंट आदि के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पैकेजिंग में विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उत्पाद की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव न पड़े तथा उत्पाद पूर्णतया सुरक्षित रहे।

तीसरे सत्र में फूड पैकेजिंग सेफ्टी एंड रेगुलेशन्स के बारे में जानकारी देते हुए कम्पनी के अधिकारी जतिन ने बताया कि अभी हाल ही में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथोरिटी ऑफ इंडिया ने पैकेजिंग सेफ्टी के बारे में नवीनतम रेगुलेशन्स जारी की हैं, जिनके अनुसार फूड पैकेजिंग में प्रयोग की जाने वाली इंक पैकेजिंग के अंदर की सामग्री के अनुकूल होनी चाहिए। अन्यथा यह खाद्य पदार्थ को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे कम्पनी की ब्रांड इमेज प्रभावित जोती है। उन्होंने बताया कि आजकल 80 से 90 प्रतिशत पैकेजिंग इंक में टोल्वीन का प्रयोग होता है जो कि उपभोक्ता, प्लांट ऑपरेटर तथा पर्यावरण के लिए सुरक्षित नहीं है।

प्रश्नोत्तर सत्र के बाद प्रिंटिंग विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट कोर्डिनेटर बिजेन्द्र कौशिक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों से बातचीत करने के बाद कंपनी के अधिकारियों ने प्रिंटिंग विभाग की प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया।

नित्य शक्ति टाइम्स - 01-11-2019

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में हुआ रजत जयंती कार्यक्रम

बाधाओं का मुकाबला करने वाले ही पाते हैं सफलता : डा. जोहर

पांच बजे न्यूज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के संस्थापक कुलपति डा. के.एल. जोहर ने कहा कि बाधाओं का डटकर मुकाबला करने वाले ही सफलता के उच्च स्तर को प्राप्त करते हैं। इस विश्वविद्यालय ने भी ऐसा ही किया है। एकजुट होकर कार्य करने की क्षमता इस विश्वविद्यालय को अन्य विश्वविद्यालयों से अलग करती है। यही कारण है कि यह विश्वविद्यालय अपने 24 साल के सफर में ही राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है।

डा. के.एल. जोहर विश्वविद्यालय में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बी.के. कुठियाला कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी मंच पर उपस्थित रहें।

डा. के.एल. जोहर ने विश्वविद्यालय के स्थापना के समय को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय पूरी टीम ने एकजुट होकर कार्य किया तथा निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त भी किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के साईटेशनव और वएच-इंडेक्श इस तथ्य के गवाह है कि यह विश्वविद्यालय लगातार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वही देश व समाज विकास करेगा जो शोध व उच्च शिक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करेगा। उन्होंने आह्वान किया कि इस विश्वविद्यालय को अपने शोध को इस स्तर पर ले जाना चाहिए जिसपर राज्य तथा भारत सरकार भी कार्य करें। उन्होंने सलाह दी कि किसी भी प्रकार की गुटबाजी व ऋणात्मक कार्यों में अपनी ऊर्जा खराब ना करें। राष्ट्रहित में कार्य करें तथा बड़ा सोचें। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्थापना के समय की बहुत सारी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मनुष्य जब तक जीए तब तक लगातार कार्य करना चाहिए। कार्य भी ऐसा हो जिसका वर्तमान व आने वाली पीढ़ियों को फायदा हो।

प्रो. बी.के. कुठियाला इस विश्वविद्यालय के पहले प्रोफेसर भी रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कहा था कि यह विश्वविद्यालय समूचे एशिया के रूप में रोल मॉडल का कार्य करेगा। आज लगता है कि यह विश्वविद्यालय एशिया में ही नहीं विश्व में रोल मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि नीति आयोग ने भी कहा है कि भविष्य के भारत का विकास इस बात पर निर्भर करेगा की आज हम किस तरह की उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को देते हैं। उन्हें खुशी होती है कि इस विश्वविद्यालय के कोर्स स्थापना की तुलना में 6 गुणा हो चुके हैं। इस विश्वविद्यालय ने हर क्षेत्र में आदर्श भूमिका निभाई है तथा नवाचारों की श्रृखला बनाई है। हर कार्य में श्रेष्ठता देने का सफल प्रयास किया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने 24 वर्ष के सफर का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की कोई उम्र नहीं होती। शिक्षण संस्थान सदियों तक कार्य करता है। गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष कार्य कर रहा है आगे ओर भी अधिक कार्य करेगा। विश्वविद्यालय का एचव-इंडेक्श 80 तक पहुंच चुका है और साईटेशन 30 हजार से अधिक हो गए है। विश्व के त्रिभिन्न विश्वविद्यालय इस विश्वविद्यालय के साथ वएमओयू करना चाहता है तथा विदेशी विद्यार्थी यहां शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि आने वाले समय में 20 से भी अधिक देशों के विद्यार्थी आकर शिक्षा प्राप्त करें ताकि भारत की विश्वगुरु बनने की अवधारणा को रेखांकित कर सकें। इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों व गैरशिक्षक कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को रजत जयंती की बधाई दी।

शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा

जीजेयू के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में पहुंचे विवि के पहले वीसी

डॉ. केएल जौहर बोले

सक्सेस का मंत्र है मूव ऑन...

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में संबोधन करते हुए डॉ. केएल जौहर। साथ हैं वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

जिंदगी में अगर आपको सफल होना है तो उसका सिर्फ एक ही सक्सेस मंत्र है टू मूव ऑन यानि आगे बढ़ते रहना। क्योंकि खुद को रोककर ऊंचाइयां नहीं मिलती। हम कम्पेटेटिव वर्ल्ड में हैं जिसके लिए हमें मेहनत करनी पड़ती है। खुद को मोटिवेट करना होता है। हर रोज, हर पल कुछ नया करना होता है। कुछ ऐसे ही सक्सेस मंत्र के साथ स्टूडेंट्स और टीचर्स को विकास की राह दिखाते नजर आए जीजेयू के प्रथम वीसी डॉ. केएल जोहर। मौका रहा जीजेयू की सिल्वर जुबली कार्यक्रम का।

20 अक्टूबर 1995 को गुरु जंभेश्वर साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। 24 साल पूरे होने पर सिल्वर जुबली के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। इसमें हरियाणा दिवस पर खास सेलिब्रेशन रहा। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर यूनिवर्सिटी के प्रथम वीसी और यूनिवर्सिटी की फाउंडर टीम के ही सदस्य और हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के चेयरमैन बीके कुठियाला विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। विवि का कुलगीत भी लॉन्च किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी मंच पर उपस्थित रहे। संबंधित खबर पेज- 6

कुछ यूं बयां हुई यूनिवर्सिटी के विकसित होने की कहानी

तब 3 टीचिंग ब्लॉक थे और अब 8, पहले 49 टीचर थे और अब 300 से भी ज्यादा

पूर्व वीसी डॉ. केएल जोहर ने यूनिवर्सिटी को स्थापित करने के अनुभवों को शेयर करते हुए कहा कि मैं तो बेबी ही छोड़कर गया था अब 24 साल में यह जवान हो गया है। यहां रेगिस्तान, कीकर और धूल भारी हवाएं। मगर यूनिवर्सिटी बनने का एक गोल बनाया और टीम वर्क किया। यहां हमारे पास 16 एकड़ जमीन थी और अब 350 से भी ज्यादा। 3 टीचिंग ब्लॉक थे और अब 8। पहले 49 टीचर थे और अब 300 से भी ज्यादा। केएल जोहर ने बताया कि जब यूनिवर्सिटी के बनने के 6 महीने बाद ही सरकार बदल गई थी मगर हम नहीं रुके थे। यूनिवर्सिटी को रेजीडेंशल यूनिवर्सिटी बना दिया गया था। हम हैप्पीनेस दिखाते गए। हमने टीम वर्क किया और रूड़की यूनिवर्सिटी की तरह डिवेलप करना शुरू किया। क्योंकि मंत्रा था टू मूव ऑन। बताते हैं कि डॉ. केएल जौहर का जन्म सरगौधा जोकि अब पाकिस्तान में हैं, वहां हुआ था। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के बाद वह यमुनानगर आए। उन्होंने यूनिवर्सिटी की शुरुआत 1 लाख पौधे लगाकर की।

स्टूडेंट्स और टीचर्स को दिए टिप्स

- मेन और वुमन बनने के लिए नहीं अच्छे ह्यूमन वीइंग पर फोकस करें।
- रीयल रिसर्च वर्क करें। रिसर्च कम्पोनेंट मुख्य पार्ट हैं।
- हर रोज इनोवेटिव और नया काम सीखें।
- टीम वर्क करें, गुटबंदी में ना रहें।
- जरूरतमंदों की मदद करना नैतिक जिम्मेदारी है।
- टीचर्च जब भी पढ़ाएं तो गुस्सा ना करें
- सवालों को खुलकर स्वीकार करें।
- टेंपर बैंक में रखे धन की तरह है इसे अपने पास रखें लूज न करें।
- कैंपस को क्लीनलीनेस की तरफ लेकर जाएं।
- खूबसूरत हैं मगर खूबसूरती का अंत नहीं इसे और बढ़ाएं।

शहर की यूनिवर्सिटीज ने केवल स्टूडेंट्स ही नहीं जिले के किसानों और बेरोजगारों को दिए न्यू बिजनेस स्किल्स - पेज 6 पर

गुटबाजी में ऊर्जा खराब न करें, बेहतर शोध और शिक्षण से होगा देश का विकास : डॉ. जौहर

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में मनाया गया रजत जयंती कार्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के रजत जयंती कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ. केएल जौहर ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना के समय हमारी पूरी टीम ने एकजुट होकर कार्य किया और निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया था। यही कारण है कि यह विश्वविद्यालय अपने 24 साल के सफर में ही राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है।

उन्होंने कहा कि शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के साइटेशन और एच-इंडेक्श इस बात के गवाह हैं कि यह विश्वविद्यालय लगातार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जरूरी है विश्वविद्यालय के शोध को ऐसे स्तर पर ले जाया जाए, जिस पर प्रदेश और देश की सरकारें भी काम करें। प्रो. जौहर विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति के बारे में पूरा अध्ययन करके ही आए थे। शिक्षकों के बीच चल रही गुटबाजी को लेकर उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गुटबाजी व ऋणात्मक कार्यों में अपनी ऊर्जा खराब न करें। राष्ट्रहित में कार्य करें और बड़ा सोचें, क्योंकि आने वाले समय में वही देश व समाज विकास करेगा, जो शोध व उच्च शिक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करेगा।

ज्ञान दिमाग में होता है, पेट में नहीं

एक शिक्षक अपने पेट पर पाइप बांध कर घूम रहा था। किसी ने पूछा तो बोले कि वह ज्ञान से फटने वाले हैं। डॉ. जौहर ने बताया कि ऐसे लोगों को कौन समझाए कि ज्ञान पेट में नहीं दिमाग में होता है और यह बांटने से [illegible] है। डॉ. जौहर ने कहा कि बाधाओं का [illegible]बला करने वाले ही सफलता [illegible]

मुख्यातिथि डॉ. केएल जौहर को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

यूजीसी ने कहा था... रोल मॉडल बनेगा विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के पहले प्रोफेसर रहे प्रो. बीके कुठियाला ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कहा था कि यह विश्वविद्यालय एशिया में रोल मॉडल का कार्य करेगा। आज लगता है कि यह विश्वविद्यालय एशिया में ही नहीं, विश्व में रोल मॉडल बनेगा। नीति आयोग ने भी कहा है कि भविष्य के भारत का विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि आज हम किस तरह की उच्च शिक्षा विद्यार्थियों को देते हैं। खुशी होती है कि इस विश्वविद्यालय के कोर्स स्थापना की तुलना में 6 गुणा हो चुके हैं।

गुरु जंभेश्वर महाराज की डॉक्यूमेंट्री रजत जयंती लोगो किया लांच

स्थापना दिवस पर रजत जयंती कार्यक्रमों की शुरुआत की गई और डॉ. राजेश जांगड़ा द्वारा डिजाइन किया गया विश्वविद्यालय का रजत जयंती लोगो का विमोचन किया गया। एचएसबी के डॉ. तिलक सेठी द्वारा लिखा गया विश्वविद्यालय कुलगीत का भी विमोचन किया गया। गुरु जंभेश्वर महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान व जनसंपर्क कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से तैयार गुरु जंभेश्वर महाराज के जीवन पर आधारित डाक्यूमेंटरी का भी विमोचन किया गया। मंच संचालन डॉ. हिमानी शर्मा व डॉ. पल्लवी द्वारा किया गया।

शिक्षण संस्थानों की कोई उम्र नहीं होती

कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने 24 वर्ष के सफर का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की कोई उम्र नहीं होती। शिक्षण संस्थान सदियों तक कार्य करता है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष कार्य कर रहा है आगे ओर भी अधिक कार्य करेगा। उन्होंने कहा, उनका लक्ष्य है कि आने वाले समय में 20 से भी अधिक देशों के विद्यार्थी आकर शिक्षा प्राप्त करें ताकि भारत की विश्वगुरु बनने की अवधारणा को रेखांकित कर सकें।

कार्यक्रम में हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बीके कुठियाला, कुलपति प्रो. [illegible] कुमार पुंडीर, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा व प्रो. सुनीता [illegible]

स्मॉग से बाहर हाहाकार... जीजेयू में हमारे लगाए पेड़ सिखा रहे जीना

हिसार (ब्यूरो)। 24 साल पहले मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से आया और यहां कुलपति के रूप में प्रदेश की सेवा करने का मौका मिला। तब हमने यहां हजारों पौधे लगाए थे। इन पौधों को पेड़ के रूप में देखकर मेरा मन कितना प्रफुल्लित है, यह मैं बयां नहीं कर सकता। आज जब स्मॉग और प्रदूषण के कारण प्रदेश और देश में हाहाकार मचा है, तब इस विश्वविद्यालय में हमारे बच्चे बाहर की अपेक्षा स्वच्छ वातावरण में रह रहे हैं। ये 24 साल के पेड़ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले हमारे हजारों बच्चों को जीना सिखा रहे हैं। हवा के झोंको में हिचकोले लेते ये पेड़ बच्चों को बता रहे हैं कि जैसे वे उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर रहे हैं, वैसे ही विद्यार्थी भी अपने ज्ञान, व्यवहार से मानव जाति और पर्यावरण की रक्षा करेंगे।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के पहले यानी संस्थापक कुलपति केएल जौहर के मन की ये बातें हमें यह संदेश देने के लिए काफी हैं कि उनके समय में लगाए गए पेड़ों का आज क्या और कितना महत्व है। हमें पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जीजेयू में आयोजित रजत जयंती कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे थे।

पर्यावरण विभाग को शोध करने की जरूरत

डॉ. जौहर ने कहा कि आज चारों तरफ स्मॉग और प्रदूषण के कारण लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। विश्वविद्यालय का पर्यावरण विभाग देश को बिगड़ते पर्यावरण के गंभीर संकट से देश को बचा सकता है। इस विभाग के वैज्ञानिकों को पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर शोध करनी जरूरत है। उन्होंने प्रो. बास्कर का नाम लेते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय में अच्छे वैज्ञानिक हैं, जो बिगड़ती पर्यावरणीय स्थिति से देश को बाहर निकाल सकते हैं।

पेड़ों के ट्रांसप्लांट की तारीफ : संस्थापक कुलपति ने विश्वविद्यालय के पेड़ों को काटने के बजाय ट्रांसप्लांट करने के सिद्धांत की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सही मायने में गुरु जंभेश्वर महाराज के पेड़ न काटकर पर्यावरण बचाने के नियम का पालन कर रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में विश्वविद्यालय को 116 एकड़ जमीन मिली थी। बाद में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के प्रयासों से यहां और जमीन मिली और यह विश्वविद्यालय विशाल आकार ले पाया।

ड्रोन से लिए गए चित्र में दिखाई दे रही गुजवि की हरियाली। - अमर उजाला

गुजवि प्रशासन ने पक्षपात के आरोपों से बचने के लिए नियमों में किया बदलाव

पांच शहरों के 45 एक्सपर्ट परखेंगे यूथ फेस्टिवल

bvअहरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में 7 से 9 नवंबर तक होने वाले यूथ फेस्टिवल में इस बार पक्षपात की गुंजाइश नहीं रहेगी। क्योंकि यूथ फेस्टिवल को परखने के लिए इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने ने दिल्ली, रोहतक, सिरसा, गुरुग्राम व कुरूक्षेत्र के 45 एक्सपर्ट्स का पैनल बुलाया है, जोकि अपनी-अपनी विधाओं में दक्ष है लेकिन खास बात यह है यूथ फेस्टिवल को परखना भी इस बार एक्सपर्ट पैनल के लिए आसान नहीं होगा। क्योंकि

- गुजवि व अंतर्गत कॉलेज के प्रोफेसर नहीं निभा सकेंगे निर्णायक की भूमिका

गुजवि की ओर से एक्सपर्ट पैनल पर कुछ खास नियम लागू किए है, जिसमें प्रति एक्सपर्ट या फिर एक्सपर्ट पैनल चार ईवेंट से ज्यादा कार्यक्रमों में अपना निर्णय नहीं दे सकेंगे। ताकि विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों के मन में पक्षपात की भावना न पनपे।

कारण है कि इससे पूर्व जितने भी यूथ फेस्टिवल हुए है उनमें गुजवि या फिर अंतर्गत कॉलेज के प्रोफेसर ही निर्णायक भी भूमिका अदा करते थे, जिस कारण पक्षपात की संभावना बनी रहती थी लेकिन इस बार नए नियमों ने एक्सपर्ट पैनल के हाथ भी बांध दिए हैं। यूथ फेस्टिवल में मुख्यातिथि सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल नजर आएंगी। इसके अलावा यूथ फेस्टिवल में कुल 18 कॉलेजों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, जबकि कुल 24 कॉलेज है।

यूथ फेस्टिवल में कुल 45 विधाओं में 840 प्रतिभागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, जबकि यूथ फेस्टिवल में कुल चार मंच बनाए है, जिसमें पहला गुजवि का चौधरी रणबीर सिंह ओडिटोरियम, दूसरा, टीचिंग ब्लॉक नंबर-4, तीसरा मयूर रंगमंच व चौथा वर्कशॉप हॉल रहेगा।

फाइन आर्ट में सर्वाधिक टीमें दिखाएंगी अपनी कला का प्रदर्शन

गुजवि में होने वाले यूथ फेस्टिवल में इस बार फाइन ऑर्ट में प्रतिभागियों ने सर्वाधिक रूचि दिखाई है, जिनमें विभिन्न कॉलेजों से कुल 98 टीमें अपनी कला का प्रदर्शन करेगी।

दूसरे नंबर पर साहित्य प्रतियोगिता में कुल 83 टीमें, तीसरे नंबर पर संगीत में 81 टीमें, चौथे नंबर पर थियेटर में 50 टीमें व पांचवें नंबर पर नृत्य है, जिसमें कुल 36 टीमें भाग लेंगी। खास बात यह है कि गुजवि ने इस बार हिंदी स्किट तथा मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता को भी नेशनल स्तर पर उतारा है, जिसमें प्रतिभागियों ने इन दोनों विधाओं में भी खास रूचि दिखाई है। यूथ फेस्टिवल में हिंदी स्किट में कुल 6 टीमें व मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में कुल 11 टीमें अपनी कला का प्रदर्शन करेगी।

भूमिका निभाएंगे

इस बार यूथ फेस्टिवल में दिल्ली तथा गुरुग्राम सहित पांच शहरों के 45 एक्सपर्ट निर्णायक की भूमिका अदा करेंगे, जबकि गुजवि व अंतर्गत कॉलेज का कोई भी प्रोफेसर एक्सपर्ट पैनल में शामिल नहीं हो सकता है।

- प्रोफेसर सरोज,
छात्र कल्याण निदेशक, गुजवि।

भूटान के प्रयोगशाला सहायकों को प्रशिक्षित करेगा गुजवि

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा भूटान की रॉयल यूनिवर्सिटी , थिम्फू, भुटान के कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा, पुनाखा के प्रयोगशाला सहायकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 21 नवम्बर तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरु हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा भुटान की प्रयोगशाला सहायक सोनम मोकतान तथा लहामो प्रतिभागी हैं।

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ शिक्षा व शोध में अपनी भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इसी अभियान के तहत किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में गैरशिक्षक कर्मचारियों के लिए भी एक अंतरराष्ट्रीयस्तर का प्रशिक्षण केन्द्र खोलने की योजना है, जिसके लिए प्रसिद्ध इंटरनेशनल संस्थानों से सम्पर्क किया जा रहा है।

इसी दिशा में विश्वविद्यालय की किंग जॉर्ज कॉलेज लंदन एवं प्रिंस चार्लस ट्रस्ट कॉलेज से बात चल रही है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कॉलेज ऑफ नेचरल रिसोर्सिज लोबेसा द्वारा विश्वविद्यालय को पत्र लिखा गया था। गुरु जम्भेश्वर वविश्वविद्यालय द्वारा इस सम्बंध में एक बैठक की गई जिसमें विश्वविद्यालय की सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेब के निदेशक प्रो. देवेन्द्र कुमार, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल, यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी तथा रसायन विभाग के डा.विकास वर्मा व डा. कश्मीरी लाल उपस्थित हुए।

हिसार। गुजवि में कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा भूटान की प्रयोगशाला सहायक सोनम मोकतान तथा लहामो के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

बैठक में कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा भुटान के साथ शोध व शिक्षण कार्यों में भागीदारी का निर्णय लिया गया। सोमवार से शुरू हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए टीम का गठन किया गया है।

इस टीम में प्रो. देवेन्द्र कुमार, प्रो. अलका शर्मा, डॉ. अनिल भानखड़ व डॉ. विकास वर्मा शामिल हैं। भुटान से आए दल को विश्वविद्यालय के फूड टेक्नोलॉजी, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लेब तथा बायो एंड नेनो टेक्नोलोजी विभाग में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भूटान के प्रयोगशाला सहायकों को प्रशिक्षित करेगी गुजवि

अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ शिक्षा और शोध में अपनी भागीदारी बढ़ाएगी गुजवि

- प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा ने विश्वविद्यालय को लिखा था पत्र
- प्रशिक्षण टीम में प्रो. देवेंद्र कुमार, प्रो. अलका शर्मा, डॉ. अनिल भानखड़ व डॉ. विकास वर्मा हैं शामिल

गुजवि में पहुंचे भूटान के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य के साथ। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय द्वारा रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान, थिंफू, भूटान के कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा, पुनाखा के प्रयोगशाला सहायकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 21 नवंबर तक चलने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा भूटान की प्रयोगशाला सहायक सोनम मोकतान और लहामो प्रतिभागी हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के साथ शिक्षा व शोध में अपनी भागीदारी को बढ़ाना चाहता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इसी अभियान के तहत किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा द्वारा विश्वविद्यालय को पत्र लिखा गया था। यह पत्र विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. विकास वर्मा व डॉ. कश्मीरी लाल की कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा में की गई यात्रा के दौरान हुई बातचीत के बाद लिखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण केंद्र खोलेगा विश्वविद्यालय : विश्वविद्यालय में गैर शिक्षक कर्मचारियों के लिए भी एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण केंद्र खोलने की योजना है, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध संस्थानों से संपर्क किया जा रहा है। इसी दिशा में विश्वविद्यालय की किंग जॉर्ज कॉलेज लंदन एवं प्रिंस चार्लस ट्रस्ट कॉलेज से बात चल रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार से शुरू हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए टीम का गठन किया गया है। इस टीम में प्रो. देवेंद्र कुमार, प्रो. अलका शर्मा, डॉ. अनिल भानखड़ व डा. विकास वर्मा शामिल हैं। भूटान से आए दल को विश्वविद्यालय के फूड टेक्नोलॉजी, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लैब व बायो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शोध व शिक्षण में बढ़ेगी भागीदारी

कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेशा और गुजवि में में कई क्षेत्रों में सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। इसको लेकर गुजवि में एक बैठक की गई, जिसमें विश्वविद्यालय की सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैब के निदेशक प्रो. देवेंद्र कुमार, आईक्यूएटसी कच निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल, यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी और रसायन विभाग के डॉ. विकास वर्मा व डॉ. कश्मीरी लाल उपस्थित हुए। बैठक में कॉलेज ऑफ नेचुरल रिसोर्सिज लोबेसा भूटान के साथ शोध व शिक्षण कार्यों में भागीदारी का निर्णय लिया गया।

अमर उजाला - 05 - 11 - 2019

गुजवि में छह करोड़ से बनेगा इनोवेशन सेंटर, कुलपति ने किया भूमि पूजन

नए आइडिया विकसित करने को मिलेगा बेहतर वातावरण

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन ऐंड इन्क्यूबेशन सेंटर का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जंभेश्वर कुमार व उनकी पत्नी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव हवन के दौरान मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के निर्माण से विद्यार्थियों को नए आडियाज विकसित करने के लिए और बेहतर वातावरण मिलेगा।

यह सेंटर सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। विश्वविद्यालय के कार्यकारी अभियंता सुनील ग्रोवर ने बताया कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन ऐंड इन्क्यूबेशन सेंटर के निर्माण पर फर्नीचर सहित लगभग छह करोड़ की राशि खर्च होगी।

इस सेंटर का निर्माण राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रूसा से प्राप्त अनुदान से किया जाएगा।

चार इंटरव्यू रूम होंगे

इस तीन मंजिला सेंटर में इलेक्ट्रिकल/मेकैनिकल वर्कशॉप, दो कांफ्रेंस रूम, चार इंटरव्यू रूम, 150 लोगों के बैठने की क्षमता का एक सेमिनार हॉल, स्वरोजगार विकास केंद्र, उत्कृष्टता केंद्र व सामान्य कार्य स्थान की सुविधा होगी। साथ ही इस सेंटर में लिफ्ट का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि यह भवन हरा-भरा तथा ऊर्जा कुशल भवन होगा। इस भवन में ऊर्जा कुशल लाइटिंग, पृथ्वी भूकंप प्रतिरोधी संरचना, प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन ऐंड इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. अशोक चौधरी, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक, यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय इनोवेशन ऐंड इन्क्यूबेशन सेंटर के उप समन्वयक प्रो. दीपक केडिया, शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. ऊषा अरोड़ा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला, कार्यकारी अभियंता रघुबीर सिंह सुंडा, उपमंडल अभियंता पीसी झा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गुजवि में इनोवेशन सेंटर के निर्माण के लिए भूमि पूजन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

जीजेयू : शोधपत्र कितनी बार डाउनलोड हुआ और किस शोधपत्र में हवाला दिया, यह भी जान सकेंगे शोधार्थी

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व शोधार्थी। - अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए आईईईई एक्सपीएलओआरई डिजिटल लाइब्रेरी के तहत इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के लिए आईईईई के विशेषज्ञ रजत ने शोधार्थियों को बताया कि वे कैसे इस डाटाबेस को प्रभावी तरीके से अपने शोध और शोध लेखों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

डिजिटल लाइब्रेरी के तहत इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

कैसे इस डाटाबेस में शोधार्थी अपना खुद का खाता सृजन कर सकते हैं, जिससे यह पता लगाया जा सकता है कि शोधार्थी ने कौन-कौन से विषयों से संबंधित तलाश की है। यह साधन शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा, क्योंकि जब संदर्भ सूची बनानी होती है तब उन स्त्रोत की जरूरत पड़ती है, जो खोज ग्रंथ का एक महत्वपूर्ण भाग होते हैं। उन्होंने बताया कि इस डाटाबेस के तहत यह भी पता लगाया जा सकता है कि शोधपत्र किस-किस महीने में कितनी बार डाउनलोड हुआ और उसका हवाला कितनी बार किस-किस शोधपत्र में दिया गया। यह प्रशिक्षण डॉ. भीमराव आंबेडकर पुस्तकालय द्वारा चौधरी रणबीर सिंह सभागार के सेमिनार हॉल एक में आयोजित करवाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने पुस्तकालयाध्यक्ष और उनकी टीम को बधाई दी है। प्रशिक्षण का आयोजन पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. नरेंद्र चौहान और डॉ. सोमदत्त द्वारा किया गया।

मोबाइल में डाउनलोड कर सकते हैं एप

आईईईई प्रशिक्षण अधिकारी ने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक किताबें उपलब्ध हैं। उन्होंने इन किताबों को डाउनलोड करने व उपयोग करने की जानकारी भी दी। प्रशिक्षण के दौरान एक महत्वपूर्ण जानकारी यह भी दी गई कि कोई भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक आईईई की एप को अपने मोबाइल में आईईईईएक्सपीएलओआरई के नाम से प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित मोबाइल विश्वविद्यालय के वाई-फाई से जुड़ा होना आवश्यक है।

अमर उजाला — 07-11-2019

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कुश्ती चैंपियनशिप में 140 विश्वविद्यालयों के 1500 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 14 से 18 नवंबर तक ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इस चैंपियनशिप के लिए तैयारियां जोरों पर है। चैंपियनशिप में देशभर के 140 विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें 1500 खिलाड़ी शामिल होंगे। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को पहली बार इंटर यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। विश्वविद्यालय में फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन के पुरुष वर्ग के मुकाबले होंगे। विश्वविद्यालय के खेल निदेशालय के निदेशक डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि खिलाड़ियों के ठहरने और खेल के लिए पूरी व्यवस्था कर दी गई है। सभी मुकाबले विश्वविद्यालय में ही होंगे।

गुजवि में 14 से 18 नवंबर तक होगी फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन कुश्ती

एचएयू हॉस्टल और जाट धर्मशाला में रुकेंगे खिलाड़ी

डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि चैंपियनशिप में आने वाले खिलाड़ियों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था कर दी गई है। खिलाड़ियों के लिए जाट धर्मशाला में 25, एचएयू के बॉयो टेक्नोलॉजी के हॉस्टल के 30, एचएयू के फार्मर हॉस्टल के 30, ओम यूनिवर्सिटी के 35, जीजेयू हॉस्टल के 60, रानी सत्ती मंदिर काठ मंडी के 50 कमरे बुक करवाए गए हैं।

उत्तर भारत के 50 विशेषज्ञ करवाएंगे मुकाबले

चैंपियनशिप में होने वाले मुकाबलों के लिए देशभर के 45 कुश्ती विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। ये विशेषज्ञ ही मुकाबले करवाएंगे। उनके अलावा जिले के कॉलेजों के 12 फिजिकल एजुकेशन के शिक्षकों, गुजवि के 50 शिक्षकों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी विशेषज्ञ और खिलाड़ी व कोच 13 नवंबर को विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। इसके बाद सभी कोच और मैनेजर के बीच बैठक का आयोजन किया जाएगा और चैंपियनशिप के लिए ब्रिफिंग की जाएगी। डॉ. एसबी लूथरा ने बताया कि चैंपियनशिप का पूरा शेड्यूल तैयार कर लिया गया है।

राजकीय महाविद्यालय में जॉब फेयर 15 नवंबर को

हिसार। राजकीय महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में बुधवार को करियर ऑपरच्यूनिटी ऑफ्टर ग्रेजुएशन विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस रोहिला ने भाग लिया, जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर नीलोखेड़ी से आएसी पूनिया को आमंत्रित किया गया। डॉ. आर्य ने कहा कि विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास करें तथा अपने विषय में स्पेशलाइजेशन पर जोर दें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं डिस्ट्रिक्ट हायर एजुकेशन ऑफिसर डॉ. पीएस रोहिला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 11 से 14 नवंबर तक विद्यार्थियों को एम्प्लोएबिल्टी ट्रेनिंग दी जाएगी तथा पांच जिलों का एक बड़ा जॉब फेयर 15 नवंबर को कॉलेज के प्रांगण में लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसमें बढ़-चढ़कर भाग ले तथा अपने व्यक्तित्व को निखारें।

अमर उजाला — 07-11-2019

गुजवि में आज होगा युवा महोत्सव का आगाज, पांच स्टेज पर होंगी 46 विधाएं

तीन दिवसीय कार्यक्रम में 18 कॉलेजों के 850 विद्यार्थी देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुति

गुजवि में युवा महोत्सव की रिहर्सल करते विद्यार्थी। - अमर उजाला

दो दिन का भेजा आमंत्रण

युवा महोत्सव को लेकर युवाओं ही नहीं शिक्षकों और कर्मचारियों में भी भारी उत्साह है। वहीं, तीन दिवसीय युवा महोत्सव के युवा कल्याण निदेशालय की तरफ से स्टाफ और विद्यार्थियों को केवल 2 ही दिन का आमंत्रण भेजा गया है। आमंत्रण पत्र में केवल 7 से 8 नवंबर तक ही युवा महोत्सव में बुलाया गया है। जबकि युवा महोत्सव 9 नवंबर को भी होगा।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के 9वें युवा महोत्सव में तीन दिनों तक सांस्कृतिक रंग जमेगा। इसमें 18 कॉलजों के 850 विद्यार्थी हरियाणा और देश-प्रदेश की गीत-संगीत और नृत्य की संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा महोत्सव के लिए पांच स्टेज बनाई गई हैं, जिन पर 46 विधाओं में विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देंगे। वीरवार को सुबह साढ़े 10 बजे महोत्सव का आगाज होगा।

सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल करेंगी शुभारंभ

इस दौरान सिरसा लोकसभा क्षेत्र से सांसद सुनीता दुग्गल कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे और विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सरोज ने बताया कि सभागार के मुख्य हॉल में सात नवंबर को गणेश वंदना के साथ महोत्सव का आगाज होगा और उसके बाद माइम, हिंदी प्ले, हरियाणवी स्किट आदि का मंचन होगा।

यह रहेगा तीन दिवसीय युवा महोत्सव का शेड्यूल

आज के कार्यक्रम

मुख्य स्टेज
सरस्वती वंदना
माईम
वन एक्ट प्ले (हिंदी)
मिमिक्री
स्किट (हिंदी)
स्किट (हरियाणवी)

टीचिंग ब्लॉक चार के हॉल में

क्लासिकल वोकल (सोलो)
क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल (सोलो)
क्लासिकल डांस (सोलो)
लाइट इंडियन वोकल (सोलो)
फॉक सॉन्ग जनरल (सोलो)

वर्कशॉप (सीआरएस ऑडिटोरियम)

ऑन द स्पॉट पेंटिंग
कोलाज
क्ले मॉडलिंग
मेहंदी

सीआरएस सेमिनार हॉल एक

क्वीज
मयूर रंग मंच
हरियाणवी आर्केस्ट्रा (ग्रुप)
कव्वाली

8 नवंबर को होंगे ये इवेंट

मुख्य हॉल सीआरएस ऑडिटोरियम
वन एक्ट प्ले (संस्कृत)
रिच्युअल
फॉक इंस्ट्रुमेंटल हरियाणवी (सोलो)
कोरियोग्राफी
इंडियन क्लासिकल आर्केस्ट्रा (ग्रुप)
टीचिंग ब्लॉक चार के सेमिनार हॉल में
ग्रुप सॉन्ग (जनरल-इंडियन)
ग्रुप सॉन्ग (हरियाणवी)
फॉक सॉन्ग हरियाणवी (सोलो)
ग्रुप सॉन्ग (वेस्टर्न)
वेस्टर्न वोकल (सोलो)
वेस्टर्न इंस्ट्रुमेंटल (सोलो)
वर्कशॉप (सीआरएस ऑडिटोरियम)

पोस्टर मेकिंग
कार्टुनिंग
रंगोली
सेमिनार हॉल एक सीआरएस ऑडिटोरियम
कविता पाठ (हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, हरियाणवी, पंजाबी)
भाषण
डिबेट
मयूर रंग मंच
सांग

9 नवंबर के कार्यक्रम

मुख्य स्टेज पर
ग्रुप डांस हरियाणवी
फॉक डांस हरियाणवी (सोलो) मेल
फॉक डांस हरियाणवी (सोलो) फीमेल
ग्रुप डांस जनरल
पुरस्कार वितरण समारोह वर्कशॉप में
ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी
इंस्टालेशन

अमर उजाला — 07-11-2019

कार्यक्रम

जीजेयू में स्टैंडराइजेशन एंड कैलिब्रेशन ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स विषय पर शुरू हुई कार्यशाला

आइडिया तभी महत्वपूर्ण, जब वह बाजार के अनुरुप हो : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि केवल आइडिया महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण ये है कि आइडिया को मार्केटेबल बनाया जाए। तभी वह आइडिया समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी होगा।

प्रो. टंकेश्वर कुमार शुक्रवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में स्टैंडराइजेशन एंड कैलिब्रेशन ऑफ इंस्ट्रूमेंट्स विषय पर शुरू हुई दो दिवसीय कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के फिजिक्स विभाग द्वारा हारट्रोन के सहयोग से किया गया है। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष प्रो. सुजाता सांई ने की। प्रो. राकेश धर कार्यशाला के संयोजक हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मार्केटेबल आइडिया को विकसित करने के लिए वर्तमान स्कूल अति अनुकूल परिस्थितियां हैं।

कार्यशाला में अतिथि को स्मृति चिह्न देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। - अमर उजाला

स्टार्ट अप जैसे अभियान नए आइडियाज को विकसित करने वाले शोधार्थियों का भरपूर सहयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में भी एक नए आइडियाज को विकसित करने के लिए भरपूर समर्थन व सहयोग की व्यवस्था कर दी गई है। आने वाला समय कौशल विकास व उसके उपयोग के लिए ही जाना जाएगा।

उन्होंने कहा कि उपकरणों के प्रयोग में गुणवत्ता के उच्च नियमों को निर्धारित कर तथा उनका पालन करके ही उद्योगों में निर्मित होने वाले उत्पादों की उच्च गुणवत्ता स्थापित की जा सकती है। अब ये व्यवस्था इंजीनियरिंग शिक्षा का आवश्यक अंग हो गई है। हालांकि भारत में अभी इंजीनियरिंग के उच्च मापदंडों का अनुसरण कम हो रहा है, लेकिन हमें इसमें और अधिक सुधार लाना होगा। कोई शोध तभी उच्च स्तर का होगा जब उसका गुणवत्ता उच्च स्तर की होगी। हारट्रोन के एजीएम डीएस काजल ने विषय के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा हारट्रोन के बारे में भी बताया।

डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई

उन्होंने स्टार्ट अप हरियाणा के संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई। कार्यशाला में 150 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी जाएगी, जिससे प्रतिभागी अपने कौशल को विकसित कर खुद को उद्योगों के लिए तैयार कर सकेंगे।

अमर उजाला — 16-11-2019

इंटरव्यू 1981 में हरियाणवी मूवी बहुराणी में तेजा का रोल आज भी लोगों के जेहन में

स्ट्रॉन्ग आइडिया पर बनी फिल्म समाज में ला सकती है बदलाव: रघुविंद्र मलिक

नई फिल्मों के स्वरूप के साथ हरियाणवी कल्चर को बढ़ावा देने पर यूथ की भूमिका

भास्कर न्यूज | हिसार

फिल्में समाज का आईना है। यह सिर्फ कोई कहावत नहीं, बल्कि वो सच्चाई है जिसे गहराई से समझने की जरूरत है। स्ट्रॉन्ग आइडिया पर बनी एक फिल्म समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सिनेमा और क्रिकेट युवाओं के सर चढ़कर बोलता है, ऐसे में अगर इस नई पीढ़ी तक कोई संदेश पहुंचाना है तो फिल्में जरिया बन सकती हैं। समाज में फिल्मों के प्रभाव पर रघुविंद्र मलिक ने कुछ ऐसे ही विचार व्यक्त किए।

सन् 1981 में बनी रघुविंद्र मलिक की हरियाणवी मूवी बहुराणी हरियाणवी सिनेमा के लिए मिल का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म में रघुविंद्र ने विलेन का रोल भी निभाया था, तेजा का नाम का वह विलेन आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है। रघुविंद्र ने श्याम बेनेगल जैसे बॉलीवुड के भी नामी निर्देशकों के साथ भी काम किया है। **रघुविंद्र मलिक से हुई बातचीत में उन्होंने नई फिल्मों के स्वरूप के साथ हरियाणवी कल्चर को बढ़ावा देने पर यूथ की भूमिका पर बात की।**

रघुविंद्र मलिक।

अच्छी फिल्म के लिए किरदार, स्क्रिप्ट और म्यूजिक में आत्मा हो

जिस तरह शरीर से आत्मा को निकलकर केवल माटी का पुतला बचता है ठीक वैसे ही अच्छी फिल्म बनाने के लिए उसके किरदार, स्क्रिप्ट और म्यूजिक में आत्मा का होना जरूरी है। इसके बाद ही ऑडियंस से खुद ब खुद सीधे संवाद स्थापित हो पाते हैं। सिनेमा जगत में बहुत बार केवल तकनीक पर जोर देकर फिल्में बनती हैं, ऐसी आत्मा विहीन फिल्में केवल नंबर में तब्दील हो जाती हैं।

हरियाणवी कल्चर की वस्तुएं रखीं संजोकर

रघुविंद्र ने बताया कि उन्होंने 1988 में विरासत नाम से म्यूजियम बनाया था। जिसमें 1988 से लेकर अब तक की हरियाणवी कल्चर से जुड़ी वस्तुओं को संजो कर रखा है। रघुविंद्र मलिक ने पुरातन संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को पूरे हरियाणा में घूम कर इकट्ठा किया है।

पहनावा हमारी पहचान इसे पहनने में गुरेज कैसा

रघुविंद्र मलिक ने बताया कि 1988 में मैंने म्यूजियम खोला तो हरियाणवी परिधान को भी गले लगा लिया।अब रूटीन लाइफ में मैंने धोती-कुर्ता और पगड़ी को अपना लिया है और मुझे गर्व इस बात का है कि अब यह पहनावा मेरी पहचान बन चुका है

थिएटर वर्ग की ट्रॉफी पर यूटीडी, डीएन कॉलेज को 60-60 प्वाइंट्स

हिसार. लिटरेरी वर्ग की ट्रॉफी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज हिसार ने 30 प्वाइंट्स के साथ जीती। फाइन आर्ट वर्ग की ट्रॉफी पर एफसी कॉलेज हिसार तथा डीएन कॉलेज हिसार ने 35-35 प्वाइंट्स के साथ कब्जा किया। संगीत विधाओं के वर्ग की ट्रॉफी 100 प्वाइंट्स के साथ गवर्नमेंट पीजी कॉलेज हिसार के नाम रही। थिएटर वर्ग की ट्रॉफी पर यूटीडी तथा डीएन कॉलेज हिसार ने 60-60 प्वाइंट्स के साथ हासिल की। वन एक्ट प्ले हिन्दी स्पर्धा में यूटीडी के नाटक में चोर का अभिनय करने वाले विद्यार्थी को श्रेष्ठ अभिनेता तथा गवर्नमेंट कॉलेज हिसार के नाटक मेलिसा का अभिनय करने वाली छात्रा को श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। वन एक्ट प्ले संस्कृत स्पर्धा में सीआरएम जाट कॉलेज हिसार के नाटक में सांडिलय की भूमिका निभाने वाले छात्र को श्रेष्ठ अभिनेता तथा इसी कॉलेज की टीम के नाटक में वसंत सेना का अभिनय करने वाली छात्रा को श्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया।

दैनिक भास्कर - 10-11-2019

गुजवि में युवा महोत्सव का शानदार आगाज

माइम में भारतीय सेना के शौर्य का प्रदर्शन

- स्किट हिन्दी स्पर्धा में छह तथा स्किट हरियाणवीं स्पर्धा में नौ टीमों ने भाग लिया
- मुख्य अतिथि सांसद सुनीता दुग्गल ने बोली, युवाओं में ऊर्जा की कोई कमी नहीं होती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में युवा महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करती सांसद सुनीता दुग्गल और सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को नौवें युवा महोत्सव का आगाज हुआ। तीन दिवसीय युवा महोत्सव में युवा महोत्सव में 46 स्पर्धाओं में विश्वविद्यालय सहित विभिन्न महाविद्यालयों के 800 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

पहले दिन मुख्य हॉल में मुख्यातिथि सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। महोत्सव की शुरुआत गणेश वंदना के साथ की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

देशभक्ति के नारों से गूंजने लगा सभागार

महोत्सव के पहले दिन फतेहचंद महिला महाविद्यालय, हिसार द्वारा प्रस्तुत की गई माइम में भारतीय सेना के शौर्य का प्रदर्शन किया गया। माइम पूरी होती ही पूरा सभागार देशभक्ति नारा से गूंजने लगा। विद्यार्थी भारत माता की जय के जयकार लगाए। वहीं एक अन्य माइम में बुजुर्ग माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम में छोड़ना तथा समय के चलते पुनः माता-पिता को वापस घर लाने की विशेष प्रस्तुति दी गई। बचपन के समय को याद करते हुए माता-पिता की भूमिका का प्रदर्शन भी किया।

हरियाणवीं स्किट ने जीता दर्शकों का दिल

विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में माइम, वन एक्ट प्ले हिन्दी तथा मिमिक्री तथा दूसरे सत्र में सकिट हिन्दी तथा स्किट हरियाणवीं स्पर्धाएं हुई। प्रथम सत्र में माइम स्पर्धा में छह टीमों, वन एक्ट प्ले हिन्दी में पांच टीमों व मिमिक्री स्पर्धा में पांच टीमों ने भाग लिया।

स्किट हिन्दी स्पर्धा में छह तथा स्किट हरियाणवीं स्पर्धा में नौ टीमों ने भाग लिया। दूसरे सत्र में आयोजित लाइट इंडियन वोकल सोलो व फॉक सांग जनरल स्पर्धा में दस-दस टीमों ने भाग लिया। शिक्षण खंड-4 के सेमिनार हॉल में प्रथम सत्र में क्लासीकल वोकल सोलो स्पर्धा में तीन टीमों ने भाग लिया। क्लासीकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो प्रकसन स्पर्धा में दो, क्लासीकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो नॉन प्रकसन में चार तथा क्लासीकल डांस स्पर्धा में चार टीमों ने भाग लिया। स्टेज नम्बर तीन चौधरी रणबीर सिंह सभागार में कार्यशाला स्टेज पर पहले सत्र में हुई ऑन स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में उन्नीस व कोलाज प्रतियोगिता में दस टीमों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

दूसरे सत्र में क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में बारह टीमों तथा मेहंदी प्रतियोगिता में ग्यारह टीमों ने भाग लिया। सभागार के सेमिनार हाल एक में प्रथम सत्र में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

युवाओं में ऊर्जा की कोई कमी नहीं : दुग्गल

इससे पूर्व मुख्य अतिथि सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि युवाओं में ऊर्जा की कोई कमी नहीं होती। युवा अनुशासन में रहकर अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाए। लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। सांसद सुनीता दुग्गल ने छात्राओं से कहा कि उन्हें सेल्फ डिफेंस के गुर भी सीखने होंगे।

उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यार्थियों को खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग अवश्य लेना चाहिए। युवा महोत्सव इन गतिविधियों के लिए एक बड़ा मंच होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा तथा केंद्र सरकार सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं।

युवा राष्ट्रीयता की भावना विकसित करें : टंकेश्वर

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ये स्पर्धाएं युवाओं के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने जीवन के मूल्यों को धारण करते हुए राष्ट्रीयता की भावना को विकसित करना चाहिए। साथ ही सामाजिक समरस्ता को स्थापित करने के लिए भी कार्य करना चाहिए। जाति, धर्म तथा क्षेत्र आदि की सीमाओं से ऊपर उठकर दूसरों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिए जाने की बात कही।

19 महाविद्यालय के विद्यार्थी जुटे : प्रो. सरोज

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सरोज ने बताया कि युवा महोत्सव में जिले भर के 19 महाविद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

इस मौके पर उन्होंने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि दुग्गल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। छात्र कल्याण निदेशक अजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

थिएटर विधाओं से वर्तमान हालात के बारे में बताया

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में वीरवार को 9वें युवा महोत्सव में विद्यार्थियों ने थिएटर विधाओं के माध्यम से वर्तमान के पारिवारिक हालात व भाईचारे, गुरुजनों के महत्व, भारतीय संस्कृति तथा सोशल मीडिया को लेकर विशेष प्रस्तुति दी गई। दयानन्द महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने माता-पिता का बच्चों से दूर रहना तथा परिजनों द्वारा बच्चों से बातचीत न करना सबसे बड़ी समस्या बताई। नाटक के माध्यम से आज की नारी व बेटियों को घर में असुरक्षित भी दिखाया गया। जाट महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने नाटक में दुर्योधन पांचाली से अपने अपमान का बदला लेने का सपना पूरा करते हुए दिखाया गया। महाभारत से लिए गए इस नाटक को विद्यार्थियों द्वारा एक नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त एसडी महिला महाविद्यालय, हांसी की टीम ने संस्कृति के पतन और सभ्यता की कद्र ना करने पर प्रभाव डाला। नाटक के माध्यम से हमारे द्वारा ही संस्कृति को खत्म तथा दूसरी संस्कृति के उदय होने का कारण बताते हैं। राजकीय पीजी महाविद्यालय, हिसार की टीम की प्रस्तुति ने दिखाया कि जो कुछ भी हम पाना चाहते हैं, वो केवल मेहनत करके ही पाया जा सकता है। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने बताया कि लालच पल दो पल की खुशी देता है, लेकिन जीवन का सुकून, अपनों की खुशियां सब कुछ छीन लेता है।

हिसार। युवा महोत्सव में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हरि भूमि - 08-11-2019

कुश्ती खिलाड़ियों का खाना देखने पहुंचे वीसी टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन शुक्रवार को गुजवि कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार खिलाड़ियों की खुराक की व्यवस्था जांचने पहुंचे। जहां उन्होंने खिलाड़ियों से खुराक के बारे में चर्चा की और कमी भी जानी।

- कुलपति ने व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए निर्देश
- गुजवि में दूसरे दिन भी छह कैटेगरी में 500 खिलाड़ियों ने दिखाए दांव-पेंच

शिकायत सुनकर वीसी प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने संबंधित अधिकारियों को खिलाड़ियों की खुराक में बदलाव करने के निर्देश दिए। साथ ही हर व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कहा ताकि कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खुराक में किसी प्रकार की कोई समस्या का सामना

हिसार। खिलाड़ियों के खाने को देखते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

न करना पड़े। उसके बाद वीसी ने खुराक की लिस्ट भी देखी, जिसे खिलाड़ियों के हिसाब से मैन्यू को घटाया और बढ़ाया। साथ ही नए निर्देशों को तुरंत प्रभाव से लागू करने के हिदायतें भी जारी कर दी गई। शुक्रवार को अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल एंड ग्रीको रोमन पुरुष चैम्पियनशिप में दूसरे दिन छह कैटेगरी में मैच खेले गए, जिसमें पुरुष फ्री स्टाईल में 61, 70 व 74 और पुरुष ग्रीको रोमन मैच में 60, 67 व 72 किलोग्राम भार वर्ग में 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

हिसार। दमखम दिखाते खिलाड़ी।

पुरूष फ्री स्टाईल में 70 किलोग्राम में चूरू के ओपीजेएमएस सिकंदर बूरा, केयूके का विकास, रोहतक का एमडीयू विशाल व शुभम ने सेमिफाइनल में प्रवेश किया।

हरि-भूमि - 16-11-2019

जीजेयू में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप

प्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते चार मेडल

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल एंड ग्रीको रोमन पुरुष चैंपियनशिप के चौथे दिन कुल पांच भारवर्ग के फाइनल मुकाबले खेले गए। पांचों मुकाबलों में हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय का खिलाड़ी गोल्ड मेडल तो नहीं जीत सका, लेकिन तीन मुकाबलों में एक सिल्वर और तीन ब्रांज मेडल जीते। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के खिलाड़ी अनिल ने सिल्वर मेडल जीता।

एमडीयू के अनिल ने सिल्वर, केयू के प्रवीन व अजीत और सीआरएसयू के अभिषेक ने जीते ब्रांज मेडल

ग्रीको रोमन के 63 किलो भारवर्ग के फाइनल मुकाबले में संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी हन्नीपाल सिंह ने अनिल को हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। इस भारवर्ग में शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर के खिलाड़ी पाटिल मंतीष मुरलीधर और प्रताप यूनिवर्सिटी जयपुर के खिलाड़ी विश्वास ने ब्रांज मेडल जीते। वहीं, फ्री स्टाइल के 92 और 97 किलो भारवर्ग के फाइनल मुकाबले सोमवार को होंगे।

तीन खिलाड़ियों ने जीते ब्रांज मेडल: चैंपियनशिप के चौथे दिन फ्री स्टाइल के 65 किलोग्राम भारवर्ग में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अजीत और चौधरी रणवीर सिंह यूनिवर्सिटी जींद के खिलाड़ी अभिषेक ने ब्रांज मेडल हासिल किया। वहीं, फ्री स्टाइल के 57 किलो भारवर्ग में कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के प्रवीन ने ब्रांज मेडल जीता। इसके अलावा फ्री स्टाइल की 69 किलोग्राम और ग्रीको रोमन की 82 किलोग्राम कुश्ती में हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय का खिलाड़ी कोई मेडल हासिल नहीं कर सका।

गुजवि में आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। - अमर उजाला

विजेता को सम्मानित करते चीफ वार्डन डॉ. संदीप राणा व अन्य। - अमर उजाला

परिणाम

फ्री स्टाइल (57 किलो भारवर्ग)
गोल्ड - प्रदीप, देशभक्त यूनिवर्सिटी पंजाब।
सिल्वर - अटकले जोहभा, एसएसपीयू, पुणे।
ब्रांज - अमित कुमार, ओपीजेए, चूरू।
ब्रांज - प्रवीन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

फ्री स्टाइल (65 किलो भारवर्ग)
गोल्ड - सुशील, सिंहानिया यूनिवर्सिटी।
सिल्वर - आयूष, डीडीयू, गोरखपुर।
ब्रांज - अजीत, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।
ब्रांज - अभिषेक, चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी जींद।

फ्री स्टाइल (79 किलो भारवर्ग)
गोल्ड - राहुल राठी, आरआरबीयू, अलवर।
सिल्वर - यादवीर, डीएवी आगरा।
ब्रांज - साहिल, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला।
ब्रांज - तरणवीर, देश भगत यूनिवर्सिटी पंजाब।

ग्रीको रोमन (63 किलो भारवर्ग)
गोल्ड - हन्नीपाल सिंह, संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी।
सिल्वर - अनिल, एमडीयू रोहतक।
ब्रांज - पाटिले मंतीष मुरलीधर, शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर।
ब्रांज - विश्वास, प्रताप यूनिवर्सिटी जयपुर।

ग्रीको रोमन (82 किलो भारवर्ग)
गोल्ड - विकास शर्मा, प्रताप यूनिवर्सिटी जयपुर।
सिल्वर - करणदीप, संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी।
ब्रांज - हर्ष, एसएलआरएसएल, नई दिल्ली।
ब्रांज - अमरिंद्र सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर।

पर जिला लॉन टेनिस एसोसिएशन हिसार के प्रधान डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। उन्होंने चैंपियनशिप के विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा सम्मानित किया। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. सुरेश मलिक, टेनिस कोच योगेश व डॉ. प्रोक्टर प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, डीन फैकल्टी ऑफ मीडिया स्टडी प्रो. विक्रम कौशिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर खेल निदेशक डा. एसबी. लुथरा व सहायक खेल निदेशक मृणालिनी

चार दिन में 10 खिलाड़ी घायल बीच में छोड़ने पड़े मैच

मैच के दौरान घायल हुए खिलाड़ी।

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में चल रही ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रेसलिंग चैंपियनशिप में चार दिनों में लगभग 10 खिलाड़ी चोटिल हुए, इस कारण अधिकांश खिलाड़ियों को मैच बीच में छोड़ना पड़ा। टीमों के साथ आए कोच ने कहा कि बेशक ये महज एक संयोग है, लेकिन पहली बार ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में इतनी अधिक इंजरी हुई हैं। रविवार दोपहर को हुए 97 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबलों के दौरान भी एक खिलाड़ी घायल हो गया। झज्जर के रहने वाले और बरकतुला विश्वविद्यालय के खिलाड़ी दीपक का मुकाबला पंजाब के एक खिलाड़ी के साथ था। फ्री स्टाइल कुश्ती मुकाबले के दौरान उनके घुटने पर गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद शाम को भी एक मुकाबले के दौरान एक खिलाड़ी अमित घायल हो गया।

कर्नाटक के खिलाड़ी को उल्टी इमरजेंसी में नहीं दिया इलाज

शाम के समय कर्नाटक के खिलाड़ी बासवाराज को पेट दर्द के साथ उल्टियां होने लगी। उन्हें भी सामान्य अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों व स्टाफ का रवैया निराशाजनक रहा। खिलाड़ी को डॉक्टर ने कहा कि स्टाफ खाना खाने गया है। आने के बाद पर्ची कटेगी, तभी दवाई मिलेगी। इसके बाद साथ गए अन्य विद्यार्थियों ने विरोध किया और कहा कि इमरजेंसी में तुरंत इलाज होती है तो डॉक्टर ने कहा कि हम इसे इमरजेंसी नहीं मानते। इसके बाद करीब 20 मिनट बाद खिलाड़ी को इलाज दिया गया।

4 GJUST STUDENTS GET PLACEMENT

Hisar: Four students have been selected in the pool campus placement drive of Gurugram-based company Asahi India Glass organised by the training and placement cell at Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar. Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, and Dr Anil Kumar Pundir, Registrar of the university, congratulated the selected students. Pratap Singh Malik, Director Placement, said that 44 students participated in this drive.

STEPS TAKEN TO CONDUCT EXAMS

Rohtak: Maharshi Dayanand University (MDU) is taking comprehensive measures to ensure smooth and fair conduct of UG/ PG semester examinations. MDU Vice-Chancellor Prof Rajbir Singh has written to the Deputy Commissioners and Superintendents of Police of all the districts under the jurisdiction of MDU to ensure deployment of sufficient police force to prevent outside interference in the examination process. Singh said that the university was committed to stamping out the use of unfair means in UG/ PG examinations. Sufficient number of flying squads and observers has been deployed for the purpose of smooth conduct of examinations, he added.

NATIONAL SEMINAR ON ENERGY

Jhajjar: Jagan Nath University, Bahadurgarh, organised a national conference on "harnessing renewable energy resources for energy efficient homes in rural and urban areas". Vice-Chancellor Prof HL Verma said energy efficiency of homes was determined by the design, structure, landscapes and construction materials, besides the sources of energy supply. Another speaker, Dr Rajesh Goyal, emphasised on green buildings and the use of blended construction material. Dr SD Malik, innovator of Vedic plaster, demonstrated that cow dung and rice straw can be used to build energy efficient homes and Prof RK Behl shared modern trends in energy efficient homes.

THREE-DAY NATIONAL SEMINAR BEGINS

Hisar: A three-day national seminar on socio-digital approaches for transforming Indian agriculture was inaugurated at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University on Thursday. The seminar is being organised in the auditorium of the Agricultural College of HAU under the joint aegis of the Indian Extension Education Committee, New Delhi; Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar; and Banda University of Agriculture and Technology, Banda (Uttar Pradesh). Vice-Chancellor of Haryana Agricultural University KP Singh was the chief guest.

THE TRIBUNE – 22-11-2019

कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव • चयनित विद्यार्थी जून 2020 में पहले छह महीने के प्रशिक्षण के दौरान कंपनी में शामिल होंगे

जीजेयू के 17 विद्यार्थियों का नोएडा की कंपनी में हुआ चयन

भास्कर न्यूज | हिसार

हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में नोएडा स्थित कोलाबेरा टेक्नोलॉजीज (एचसीएल के सौजन्य एवं भागीदार) में विवि के 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्री-प्लेसमेंट टॉक के बाद कम्पनी के सहायक प्रबंधक सोनू त्यागी ने बताया कि कोलाबेरा टेक्नोलॉजीज कंपनी का मुख्यालय बासकिंग रिडज, न्यू जरसी में है। यह कंपनी विश्वभर की कंपनियों को व्यवसायिक सूचना प्रौद्योगिकी भर्ती, स्टाफिंग, परामर्श और व्यावसायिक सेवाएं प्रदान करती है। उद्योग विश्लेषकों के अनुसार, कोलाबेरा देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक स्वामित्व वाली आईटी स्टाफिंग फर्म है। इसके अतिरिक्त न्यू जर्सी में निजी तौर पर सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी है।

गुजविप्रौवि हिसार में कंपनी व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी।

100 स्टूडेंट्स ने लिया हिस्सा, इंटरव्यू के बाद हुआ चयन

प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया इस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक सीएसई, आईटी, एमई व ईसीई के 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल में कम्पनी के सहायक प्रबंधक सोनू त्यागी द्वारा प्री-प्लेसमेंट टॉक के बाद विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया। इस आधार पर कम्पनी ने विश्वविद्यालय के 17 विद्यार्थियों का चयन किया है। सभी चयनित विद्यार्थी जून 2020 में पहले छह महीने के प्रशिक्षण के दौरान 2.2 लाख रूपये प्रति वर्ष के पैकेज पर कंपनी में शामिल होंगे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के बीटेक सीएसई 2020 बैच की रिचा शर्मा, तेजिंदर पंवार, वीरेन बेनीवाल, यशिका यादव, रुचि जदोलिया, आदित्य, देवेश सिंह वर्मा, अनिरुद्ध, अभि असीजा, अंशिता, मयंक व बीटेक आईटी 2020 बैच के देवेन सिहाग, अनुराग सिंह, भारती, रितिका, कविता तथा बीटेक एमई 2020 बैच के अंकुल मलहम का चयन कम्पनी में हुआ है।

दैनिक भास्कर – 21-11-2019

19 STUDENTS GET CAMPUS PLACEMENT

Hisar: As many as 19 students of Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, have been selected for the Greater Noida-based Hitech Enviro Engineers and Consultants Pvt Ltd in the campus placement drive conducted by the training and placement cell of the university. Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, and Dr Anil Kumar Pundir, Registrar of the university, congratulated the selected students. While talking about the company in pre-placement talk, Hitesh Mittal, director, claimed that the company is a leader in water and wastewater treatment companies in Delhi NCR, Uttar Pradesh, Haryana, Punjab, Gujarat and Uttarakhand. Partap Singh Malik, director placement, said that 50 students of B.Tech Mechanical, ECE, M.Sc. and M.Tech Environmental Science participated in this drive.

The Tribune-21-11-19

जीजेयू में एडवांस इस्ट्रूमेंन्टेशन तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का समापन: स्टूडेंट्स ने समझी रेडिएशन की बारीकियां

उपकरणों की गुणवत्ता व उपयोग की जानकारी पर भी शोध की गुणवत्ता निर्भर करती है : प्रो. नीरज

भास्कर न्यूज | हिसार

शिक्षकों में नैतिक मूल्य एवं सकारात्मकता अवश्य होनी चाहिए। एक अच्छा जीवन जीने के लिए ये दोनों ही चीजें बहुत जरूरी हैं। कुछ ऐसे ही शब्दों से प्रो. राजेश पूनिया ने टीचर्स ने मोरल वेल्यूज के अहम रोल को समझाया।

जींद के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. राजेश पूनिया ने जीजेयू के मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से एडवांस इस्ट्रूमेंन्टेशन तकनीक विषय पर चल रहे रिफ्रेशर कोर्स में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में सोमवार इस कोर्स का समापन समारोह हुआ। समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। प्रो. राजेश ने स्टूडेंट्स को टेलीपैथी और रेडिएशन की बारीकियां भी समझाईं।

जीजेयू में एडवांस इस्ट्रूमेंन्टेशन तकनीक विषय पर चल रहे रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर मौजूद लोग।

प्रयोगशालाओं में हैंन्डस ऑन ट्रेनिंग भी की

निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि उपकरणों की गुणवत्ता व उपयोग की जानकारी पर भी शोध की गुणवत्ता निर्भर करती है। शोधार्थी को उपकरणों के उपयोग की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कोर्स देश के किसी भी मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा कराया गया अब तक का अपनी तरह का पहला कोर्स है। इस कोर्स में प्रतिभागियों को उपकरणों का व्यावहारिक व सैद्धांतिक ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय की सेन्ट्रल इन्स्ट्रूमैन्टेशन प्रयोगशाला सहित अन्य प्रयोगशालाओं में हैंन्डस ऑन ट्रेनिंग भी की।

11 नवंबर को शुरू हुआ था कोर्स

यह कोर्स 11 नवंबर को शुरू हुआ था। कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया ने बताया कि कोर्स के दौरान उपकरण निर्माता कंपनियों के विशेषज्ञों को भी ट्रेनिंग के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों में अधिकतर प्रतिभागी महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब और उत्तराखंड से थे। कोर्स कोऑर्डिनेटर अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर कोर्स की स्मारिका का विमोचन किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

दैनिक भास्कर - 26-11-2019

जीजेयू में परम सुपर कंप्यूटर से जोड़े जाएंगे हरियाणा, पंजाब सहित उत्तरी राज्यों के वैज्ञानिक

सुभाष पंढ़ • हिसार

जीजेयू में आधुनिक जमाने के हाईटेक व तेज गति के सुपर कंप्यूटर लाने की तैयारी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रिसर्च में उच्चतम स्तर तक ले जाने के लिए यह फैसला किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने देश में सबसे तेज सुपर कंप्यूटर परम उपलब्ध करवाने के लिए उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) को प्रस्ताव भेज स्वीकृति मांगी है। अगर रूसा से परम सुपर कंप्यूटर लाने के लिए जीजेयू को अनुमति मिल जाती है तो उत्तरी जोन में यह पहला परम सुपर कंप्यूटर होगा और उत्तर भारत में स्थित सभी राज्यों हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू एंड कश्मीर राज्यों के शिक्षण संस्थानों के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को भी इसका लाभ मिल सकेगा। दूसरे राज्यों के वैज्ञानिकों को इंटरनेट के माध्यम से सुपर कंप्यूटर से जोड़ा जा सकेगा। जिस रिसर्च को करने में पहले महीनों लगते थे, अब इस सुपर कंप्यूटर से काफी कम समय में पूरी करने में मदद मिलेगी। कंप्यूटर को सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग के तहत डेवलप किया गया है।

50 करोड़ रुपये की राशि में से 15 करोड़ की राशि जीजेयू में आई

जीजेयू को रूसा से मिलनी है 50 करोड़ रुपये की राशि

बायो एंड नैनो विभाग में प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि जीजेयू को मानव संसाधन मंत्रालय व राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत रिसर्च इनोवेशन व क्वालिटी इंप्रूवमेंट में कंपोनेंट-10 के तहत जीजेयू का चयन किया गया है। जिसके अंतर्गत 50 करोड़ की राशि मंजूर हुई है। इसमें से 15 करोड़ रुपये की राशि जीजेयू को भेजी जा चुकी है, जिसमें से 6 करोड़ रुपये की राशि से जीजेयू में इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर की बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। वहीं 9 करोड़ रुपये की राशि इनोवेशन, रिसर्च, कोलोबोरेशन आदि पर खर्च की जाएगी।

कंपोनेंट -10 में 35 करोड़ रुपये की राशि रिसर्च के लिए मंजूर

जीजेयू को कंपोनेंट-10 के अंतर्गत 35 करोड़ रुपये की राशि मंजूर हुई है, जिसमें से 15 करोड़ 69 लाख रुपये की राशि सेंट्रल फेसिलिटी इक्विपमेंट की स्वीकृति के लिए मांगी गई है। जीजेयू ने 40 टीचर्स के रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए 19 करोड़ 31 लाख की राशि जारी करने की भी अनुमति मांगी है।

जीजेयू को होगा यह लाभ

- जीजेयू के रिसर्च एवं इंडेक्स में इजाफा होगा।
- नए रिसर्च प्रोजेक्ट पूरे होने पर पेटेंट करवा कर एंटरप्रेन्योर बन सकेंगे।
- उच्चतम स्तर की रिसर्च पब्लिश हो सकेगी।
- विद्यार्थियों को रिसर्च स्किल्स का विकास होगा।
- सिंचाई योजनाओं, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य आदि पर भी काम किया जा सकेगा।

उत्तरी रीजन में सुपर कंप्यूटर परम उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रहे हैं। इस रीजन में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, चंडीगढ़ तक के वैज्ञानिक जो सुपर कंप्यूटर का प्रयोग करना चाहते हैं, उन्हें इंटरनेट से जोड़ा जाएगा, जिससे इन राज्यों के वैज्ञानिक भी रिसर्च कार्यों को बढ़ावा दे पाएंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक जागरण - 27-11-2019